

ऋणात्मक वि. (तत्.) 1. गणि. (वह संख्या) जिसका मान शून्य से कम हो negative वि. धनात्मक 2. भौ. स्वेच्छासेमानी हुई वृद्धि की दिशा के विपरीत प्रवृत्त अथवा परिकल्पित जैसे- ऋणात्मक कण।

ऋणादान पुं. (तत्.) 1. ऋण लेना, उधार लेना, ऋण की वसूली 2. दिया हुआ ऋण वापस मिलना।

ऋणाधार पुं. (तत्.) बाणि. ऋण लेते समय ऋणदाता को ऋण वापसी हेतु आश्वस्त करने के लिए अपनी निर्दिष्ट संपत्ति, वस्तु, हैसियत आदि का प्रमाण प्रस्तुत करना।

ऋणायन वि. (तत्.) ऋणात्मक आवेश वाला आयन जो विद्युत का प्रवाह होने पर ऐनोड की ओर जाता है तु. धनायन।

ऋणार्ण पुं. (तत्.) ऋण चुकाने के लिए लिया जाने वाला दूसरा ऋण।

ऋणावेश पुं. (तत्.) (ऋण+आवेश) (विद्युत) ऋणात्मक-विद्युत प्रवाह या आवेश, ऋणात्मक और धनात्मक।

ऋणिक वि. (तत्.) ऋणिया, ऋणी, ऋणकर्ता, कर्ज लेने वाला, देनदार।

ऋणिया वि. (तत्.) ऋण लेने वाला।

ऋणी वि. (तत्.) 1. जिसने ऋण लिया हो, कर्जदार 2. उपकार माननेवाला, अनुगृहीत।

ऋतंभर वि. (तत्.) सत्य को धारण करने वाला पुं. परमेश्वर।

ऋतंभरा स्त्री. (तत्.) 1. सत्य का धारण करने वाली 2. प्लक्ष द्वीप की एक नदी का नाम 3. हमेशा एकरूप रहने वाली सात्विक बुद्धि।

ऋत पुं. (तत्.) 1. शाश्वत सत्य, यथार्थ 2. उच्छ्वस्ति 3. ईमानदार 4. प्रतिष्ठा प्राप्त वि. 1. दीप्त 2. पूजित 3. सच्चा 4. योग्य, उचित।

ऋतधामा वि. (तत्.) जिसका निवास ऋत (सत्य) में हो, सत्यधाम में निवास करने वाले, पवित्र एवं सत्य स्वभाव वाला पुं. विष्णु, अग्नि।

ऋतवादी वि. (तत्.) सत्य बोलने वाला, सत्यवादी।

ऋतव्रत वि. (तत्.) जिसने सत्य बोलने का व्रत लिया हो, सत्यवादी पुं. सत्य बोलने का व्रत।

ऋतानृत पुं. (तत्.) सत्य और असत्य, सत्य और मिथ्या, अनृत सच और झूठ का संयोग।

ऋतु काल पुं. (तत्.) 1. मासिक धर्म के उपरांत का गर्भधारण के लिए उपयुक्त समय, ऋतुवेला, ऋतु समय 2. उपयुक्त काल।

ऋतु क्षरण पुं. (तत्.) परिवर्तित मौसम, भौतिक, रासायनिक, यांत्रिक आदि अनेक प्राकृतिक क्रियाओं के कारण चट्टानों का छोटे-छोटे कणों में परिवर्तन या छीजन होने की क्रिया/भाव।

ऋतुगमन पुं. (तत्.) ऋतु काल में (पत्नी के साथ) संपन्न यौन क्रिया, ऋतु काल में (पत्नी के साथ) किया जाने वाला संभोग।

ऋतुचर्या स्त्री. (तत्.) आयु. ऋतुओं के अनुसार आहार-विहार रखना।

ऋतुजन्य पुं. (तत्.) 1. ऋतु से उत्पन्न 2. मौसम बदलने से उत्पन्न होने वाला 3. ऋतु विशेष के कारण होने वाला 4. ऋतु विशेष पर निर्भर।

ऋतुजन्य यायावरी स्त्री. (तत्.) ऋतु परिवर्तन के अनुसार जीवन (निवास) के लिए अन्य अनुकूल स्थान पर जाना और वहाँ उचित/अनुकूल समय तक रहना।

ऋतुदान स्त्री. (तत्.) ऋतु स्नान के बाद संतान की इच्छा से पत्नी के साथ किया गया संभोग।

ऋतुनाथ पुं. (तत्.) वसंत ऋतु, श्रेष्ठ ऋतु, ऋतुराज, ऋतुपति।

ऋतुनिष्ठ पुं. (तत्.) अपने ही मौसम (ऋतु) में होने वाला, मौसमी ऋतु का अनुसरण करने वाला।

ऋतुपर्ण पुं. (तत्.) अयोध्या के एक राजा का नाम जो राजा अयुतायु के पुत्र थे और द्यूत क्रीड़ा में अत्यन्त प्रवीण थे।